



GENERAL STUDIES (Test-4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (O-A)-M-GSM (P-III)-2304

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Neeraj Dhakad

Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: _____

Center & Date: Delhi 11/07/2023

UPSC Roll No. (If allotted): 6316307

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

www.drishtiiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Feedback

- | | |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता) | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता) |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता) | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह) |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |

खंड - क/ SECTION - A

1. (a)

अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है?

(150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence?

(150 Words) 10

हिंदी विषय-वस्तु, क्षेत्र विशेष है परि परिभा
एवं क्षमताओं का होता अभिरुचि कहलाता है,
जो सामान्यतः उत्पन्न होती है लेकिन
कुछ विशेष परिस्थितियों में इसको और विकसित
किया जा सकता है।

अभिरुचि का रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता
से विभिन्न भूतों में भिन्न हो सकती है
और इनमें समानताओं को भी देखा जा
सकता है।

अभिरुचि और रुचि

- अभिरुचि, जो व्यक्ति की क्षमताओं का
समग्र चयन है, जबकि रुचि, व्यक्ति की
पसंद को प्रदर्शित करती है।
उदाहरण - किसी लेखक में भाषाओं की विविधताओं
का जाया जाना, उसकी अभिरुचि को
प्रदर्शित करता है।

www.drishtiiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

और यदि इसे दिलों देवने में शक्ति है तो वह शक्ति है जलवी नहीं कि वह अशक्त है ही हो।

तो साथ ही शक्ति और अशक्तियों का ध्यान हो करने हैं उदाहरण - किसी व्यक्ति का डिग्रे देवने में शक्ति और खेलने में भी योग्य हो।

अशक्तियों और कौशल

→ अशक्तियों को मान्यता: जन्मजात होती है, जबकि कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जीया जाता है और निरंतर रूप में इसका विकास होता है।

अशक्तियों और बुद्धिमत्ता

→ अशक्तियों का संबंध जन्म से है लेकिन बुद्धिमत्ता को अर्जित किया जाता है जैसे सामाजिक बुद्धिमत्ता, या आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता विकास निरंतर माध्यम से होता है।

उदाहरण - किसी खेल प्रयोगी का निरंतर खेल खेलने से बुद्धिमत्ता का विकास मिलेगा माध्यम से वह खेल में नयी विधियों एवं कौशल को सीखता है।

(b)

“आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
“It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude”. What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

अभिवृत्ति - किसी विषय के पक्ष में सकारात्मक होने की अवस्था है, जो वही अभिरुचि - किसी विषय के प्रति परिभाषा का समुच्चय है।

दृष्टान्त: अभिवृत्ति से आपके स्वभाव एवं चिन्ता का परा-परमा है इसलिए अभिवृत्ति समाज में आपकी पहचान निर्धारित करती है।

जैसे - ① संवेदनशील वगैरह के प्रति आपकी अभिवृत्ति यदि सकारात्मक है तो आपका स्व स्व सत्पानकारी एवं समाजशील व्यक्ति के समान व्यापित होगा।

② तो वही वर्तव्यता के प्रति आपकी अभिवृत्ति आपके रुढ़िवादी होने और न होने को निर्धारित कर सकती है।

तो वही अकिस्मिन्नी के संदर्भ में
मह कहना कि वह अकिस्मिन्नी आपके
इस का विचारण नहीं इतली होगी।
मल्प साधित नहीं होता क्योंकि
इस सेपीजे अल्लुन इलाज की अकिस्मिन्नी
लक्ष्मी के में रही और इस वजह
से उनका रुढ़ भाव में एक निमास
मैन - के रूप में देखा जा सकता है।

निष्कर्ष: कहा जा सकता है कि
अकिस्मिन्नी आपके इत के निर्माण में
महत्वपूर्ण होती है जो भाष ही विशेष
परिचितियों अकिस्मिन्नी भी आपकी
पहचान को निर्धारित कर सकती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

2. (a)

“आचार संहिता” एवं “नीति संहिता” के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a “code of conduct” and a “code of ethics”? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

आचार संहिता उन कर्तव्यों एवं नियमों का
समूह है जिससे माध्यम से लोगों के
कर्तव्यों को विनियमित किया जाता है।

नीति संहिता - नैतिक कर्तव्यों का समूह है,
एवं लोगों से अपेक्षा होती है कि वे इन
नैतिक कर्तव्यों को अपनायें।

<u>आचार संहिता</u>	<u>नैतिक संहिता</u>
→ लोगों पर बाध्य निर्धारण लगाता है	→ व्यक्तियों या अंगों के निर्धारण लगाता है
→ सर्वेधानिक एवं मानव से शास्त्रे कियती है	→ अस्मिता एवं सीमा-विचारों, समाज से शास्त्रे कियती है।
→ दण्ड का प्रावधान है	→ दण्ड की जगह 'पाप' की अवधारणा
→ आन्तरिक कर्तव्यों एवं नियमों की संदर्भित है	→ नैतिक कर्तव्यों एवं नियमों के संदर्भित है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

आचार भेदों का महत्व -

- व्यक्ति की स्वतंत्रता को विनियमित करने में
- लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने में
- अत्याचार की रूढ़ि को निपटने में
- मानवता के विकास के लिये व्यक्तियों को जोड़ने में

नीति भेदों का महत्व

- समाज एवं विश्व के आदर्शों एवं मूल्यों को जोड़ने के लिए
- आत्मवाद जैसे दुष्टों को निपटने में
- जमाना नियमित करने में
- मानवाधिकारों एवं शान्तिपूर्ण संस्कृति को निपटने में

निष्कर्ष: वर्तमान में आचार भेदों एवं नीतियों के अभाव में समाज में अराजकता फैल चुकी है। व्यक्ति को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अपने अधिकारों का उपयोग करना पड़ेगा। अतः समाज में आचार भेदों का महत्व है और इनसे निपटने में हमें नीति भेदों की आवश्यकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss.

(150 Words) 10

अनामिकता - वह मूल्य है जिसके माध्यम से किसी इच्छावादी कार्य को पूर्ण करने के लिये लेने के लिये आगे न आते हुए पीछे रहना और इसके लिये नागरिकों के अधिकारों को अज्ञानता।

निष्पक्षता - किसी कार्य को करते समय किसी विषय, दल, क्षेत्र या पक्ष, विपक्ष न लेते हुए निर्णय करना निष्पक्षता कहलाती है।

अनामिकता एवं निष्पक्षता दोनों ही भारतीय लोक सेवाओं के लिये महत्वपूर्ण माननी जाती हैं क्योंकि लोकसुधारवादी एवं समावेशी भावों के लोगों की अस्मिता महत्वपूर्ण होती जा रही है।

→ अनामिकता व्यक्ति विशेष को ध्यान

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

(Candidate must not
write on this margin)

को अपना अभिषेक है एवं कंपनी के निपट है कि उद्योग के स्तर पर लैंगिक रूप में समान वर्धनीयता रहेगी।

अतः ऐसी परिस्थिति में उद्योग में के पद पर स्थापित व्यक्ति को अपने अभिवृत्ति में समानता परिवर्तन करने की आवश्यकता है जहाँ वह मिल-मिल पाएँगे एवं उद्योगों का उद्योग ले सकाई करेंगे -

- ① महिलाओं की कार्यक्षमता से संबंधित प्रत्येक का अभिवृत्ति करने
- ② उनकी नेतृत्व क्षमता के बारे में जानकारी
- ③ महिला आधारित मिल देखकर
- ④ अंतर में महिलाओं की उपस्थिति से लेख्य कर।

मिलाने: कहा जा सकता है अभिवृत्ति में परिवर्तन इसकी उद्योगीय क्षमता एवं कंपनी में इससे पद को और स्थापित बना सकते हैं अतः परिस्थितियों का समानता निर्माण संभव है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" - समुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उपरोक्त पंक्तियों में लेखक का विज्ञान ज्ञान और सत्यनिष्ठा दोनों को एक साथ लाने का बल देता है जहाँ उल्लेख करता है कि इन दोनों का अलग-अलग रहना समाज के लिए लाभदायक नहीं है।

ज्ञान - ज्ञान का अर्थ है 'जोख' एवं 'विज्ञान' से जोड़ा जाता है और इसका व्यापक अर्थ सही और गलत में अंतर कर जाने की क्षमता है।

सत्यनिष्ठा - सत्यनिष्ठा व्यक्ति के निष्ठाओं एवं इसके व्यवहार के बीच संतुलन है और यह संतुलन ज्ञान से संभव है।

ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा - दासनाथ सत्यनिष्ठा में सत्यता एवं ईमानदारी

का गुण होगा है लेकिन यदि व्यक्ति में
किसी विषय-वस्तु को (नज़रों से) हमला
नहीं है तो वह नत्पनिष्ठा इन्द्रजोर होगी
और नत्पनिष्ठा में उसकी नत्पनिष्ठा का
दुरुपयोग संभव है।

जैसे मिखाइल गोर्बाचोव की सैनिकी
जहाँ उसने बड़े नत्पनिष्ठा को दुरुपयोग
किया और सोवियत संघ के विघटन को संभव
करा दिया।

नत्पनिष्ठा के विनाशान - शान का होना
व्यक्ति को नत्पनिष्ठा में लगे रहना होगा है
फलतः यदि नत्पनिष्ठा जैसे मूल्यों का अभ्यास
हुआ तो वह निरदुःख बन जाता है
जैसे - हिंदू धर्म जहाँ की जनता
की भावनाओं को नज़र से उभरा
गया आज का उदाहरण गंगा।

निरदुःख! नत्पनिष्ठा एक शान का
सम्यक् भावश्यक है जो नत्पनिष्ठा को भलाई
की ओर ले जाता है जैसे महात्मा गांधी
के सिद्धांतों में शान एवं नत्पनिष्ठा का
भाव दिखाई देता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

(c) "मुझे केवल भावना की परवाह है - जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो
जाएगा"। स्वामी विवेकानंद।
(150 शब्द) 10

"I care only for the spirit - when that is right, everything will be righted by itself."
Swami Vivekanand.
(150 Words) 10

स्वामी विवेकानंद की 'नेवा की भावना'
का सिद्धांत उनका वर्षाभ्युदय सिद्धांत
है और उन्होंने गरीबों की सेवा को
इश्वर की सेवा के रूप में आधारित
किया है।

वस्तुतः स्वामी विवेकानंद नत्पनिष्ठा में
सेवा भावना के ज़रूरी दृष्टिकोण में
परिवर्तन के विषये उदाहरण दे रहे हैं
और उनके विषये उन्होंने 1897 के
'रामकृष्ण परमहंस' की व्याख्या की
जिसका उद्देश्य उद्देश्य दलजोरों, गरीबों
की सेवा करना।

दशमाल भारत में मानवता का
मिलन था विद्यमान था और इसके
विषये भारतीय लोगों और ब्रिटिश
औपनिवेशिक शासकों की सैनिकों की
विरोधता माना।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

स्वामी विवेकानंद ने स्पष्ट किया कि भारतीय सिद्धि एवं डम्प वगैरे जो मैं आज की राखी एवं शक्ति के विषे विवेका भनता है क्योंकि वे निम्न लोगों के धन के बल पर सिद्धि हो गये और पबर के ध्यान भी नहीं दिए।

अर्थात् स्वामी विवेकानंद ने लैप दरिद्रों की सेवा पर बल दिया और लोगों को इस कार्य के विषे आगे आने को प्रेरित किया। अतः लोगों ने सेवा भावना का विकास भी किया।

इसी अर्थों में विवेकानंद जी कहते हैं कि "मुझे केवल भावना की पत्वार है" और यह दृष्टिकोण वफा लक्ष्य में भी प्रासंगिक है क्योंकि सेवा भावना ही अन्त आत्मा भी मानव विश्व के विषे आवश्यक हो जाती है।

उम्मीदवार को इस
हार्शिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

4. (a)

कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution.

(150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का तात्पर्य व्यक्तियों की भावनाओं को पहचानना एवं प्रबंधित करना है। इससे ही भावनाओं को पहचानना एवं प्रबंधित करने से है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का संबंधो परभाव विभिन्न अर्थों में देखा जा सकता है, जहाँ एक-इसके ले जुड़ाव, लक्ष्य, लक्षित, स्वीकारोक्ति, एक-इसके की स्वतंत्रता का एक-इसके को विचारों को अपनाने के लक्ष्य में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को देखा जा सकता है।

प्रभाव -

① समूह गत्यात्मकता -

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के माध्यम से समूह के विचारों को समझकर उन्हें प्रबंधित कर समूह की प्रगतिशील बनाया जा

उम्मीदवार को इस
हार्शिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

सकता है।
तो साथ ही समूह में सर्वज्ञ रूप से
बोल्ने के अधिकार को वास्तव में
जा सकता है जिससे माध्यम वगैरह
की कार्यक्षमता समात्मक रूप से
प्रकाशित होगी।

② सहकारिता - मानवतात्मक बुद्धिमत्ता के
परिप्रेक्ष्य में सहकारिता वह व्यापक
व्यवस्था है जहाँ व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक
सहकारिता के माध्यम से सर्व मानवों
को समझा जा सकता है और एक
समन्वित समाज का विकास संभव है।

③ संघर्ष समाधान - कार्यक्षमता पर किसी
विचार, देश, विषय को लेकर मतभेद
संघर्ष को समझकर इसके परिणामों
के माध्यम से समाधान सहकारी रूप
में समाधान किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट
गवर्नेंस) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर
चर्चा कीजिये।
(150 शब्द) 10
Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and
protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with
corporate governance in India.
(150 Words) 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस (निगमित शासन) के
अंतर्गत उन मूल्यों को महत्व दिया
जा सकता है जिनसे अनैतिक
व्यवहार को रोकने एवं हितधारकों की
रक्षा पर ध्यान दिया जाये।

अनैतिक व्यवहार को रोकने के विषये -

- विशाला दिसानिर्देशों को वास्तव में
जा सकता है महत्वाकांक्षी उत्साह
के विषये
- कंपनियों के विषये 'आचार निर्देशिका'
का निर्माण
- काम के धर्मे निर्धारित किये जा
सकते हैं
- बलपूर्वक एवं बेगार के प्रति
नीतियों का निर्माण
- सामाजिक उत्साह जैसे चीजें आदि
- शिक्षा पर निवेश करना जो इस प्रकार से
संभव है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

हितधारकों के हितों के लिये

- पारदर्शिता, लाभ एवं हानि में
- व्यापार का उचित विवरण
- जवाबदेही का सुनिश्चित किया जाये
- हितधारकों से जुड़े मुद्दों को पारंपरिक रूप में उपलब्ध जैसे - लाभ एवं अन्य हितों से जुड़े विषय

भाष में नैतिक धारणा से जुड़े नैतिक मुद्दे

- आंतरांगिक लोगों की उपस्थिति यहाँ कार्य प्रभावित होता है
- महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े विषय
- शिकायत विचारण लोगों की अनुपस्थिति
- 'ऑरिजन ऑफ इमीग्रेंट' का अभाव
- सामाजिक एवं कार्य की सुरक्षा का अभाव

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

5. (a)

नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये।
(150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions.
(150 Words) 10

नैतिक दुविधा - दो नैतिक कर्तव्यों का होना जिनमें से किसी एक को ही चुना जा सकता है, नैतिक दुविधा को ज्ञात है।

सार्वजनिक संस्थानों में नैतिक चिंतन -

- कर्तव्यों की उपेक्षा करना
जैसे किसी कार्य को करने में विषयों का उपेक्षा हो रहा हो लेकिन वह सार्वजनिक हित के लिये आवश्यक है
- अर्थात् सार्वजनिक हित बनाम नियम

- स्वयं हित बनाम सार्वजनिक हित
- सार्वजनिक हित बनाम स्वयं हित

दरअसल नैतिक चिंतन का समाधान सामान्य हो सकता है और

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उन्होंने बिनी बड़े तर मान के उल्लेख
की संभावना नहीं है।
जैसे किनी इन्फोर् वर्ग की महिला का
PDS के तहत राशन कार्ड बनाने के बिना
अन्योन्य भाता लेकिन आपरपक 'डिप्टेमेंट'
के अभाव में विपिन जेकर द्वारा कार्डों
की अनदेखी की जा सकती है जो
नैतिक विचारों के उन्माधान की शक्ति है

नैतिक दुविधा

→ नैतिक दुविधा इन स्थितिओं में उत्पन्न
होती है जहाँ दोनों विकल्प लगभग
बराबर हों, जैसे -

अपमंत्त्यनात्मक विकास बनाम पर्यावरणीय
नैतिकता

अपौरु किनी शहर में मेट्रो के विकास
के बिना 1000 पेड़ों की काटना, इन
परिस्थितियों में नैतिक दुविधा की उपाधि होती है,
अपौरु इसके उन्माधान के बिना
अनुकूलनीय डेवेलपमेंट अपनाते हुए दीर्घकालिक
परिणामों से पूर्व अनुभव आधारित कार्यों को
संभाल कर चलाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:
Write short notes on the following in 30 words each:

(150 शब्द) 10
(150 Words) 10

- नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
- वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
- निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
- सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

(i) नैतिक प्रशासन के तहत प्रशासनिक
कार्यों में नैतिक कर्तव्यों को महत्व
दिया जाता है। जिसके तहत 'निर्बोध' एवं
अनावेधी विकास जैसी अवधारणों
विषयगत होती हैं।

(ii) वस्तुनिष्ठता - का तात्पर्य आर्थिकीकरण
से अछिन्न जिन विषयों के संदर्भ में
समय, काल, परिस्थिति से परे लोगों की
अभिज्ञान समान रहती है।
जैसे अर्थशास्त्र, गणित आदि

निष्ठा - किनी कार्य के प्रति लगनशील
होना और उसमें लीझर का अत्यधिक
होना ही समर्पण या निष्ठा कहलाती है।

(iii) निजी क्षेत्र में नैतिक विकृतियों को
नकारा जाता है जैसे
• महिलाओं से बड़े निपटों का अभाव

- व्यापक विशेष को महत्व
- हाफर एवं फायर का निष्ठा
- निम्न कार्य समापन
- सामाजिक सुलभता आदि

(iv) सहायक शक्ति - व्यापक विशेष, वास्तविक विशेष, क्षेत्र विशेष के प्रति सहायक शक्ति का होना।

उत्तमता - उत्तमता के लिए सर्वोत्तमता के लिए सेवा करना का होना एवं व्यापक विशेष के लिए सहायक शक्ति रखना उत्तमता कहलाती है।

(v) इच्छा का अधिकार अधिनियम, 2005 ने लोकतांत्रिक की मूलभूत उद्देश्य की है और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है।

इच्छा का अधिकार पारदर्शिता है, जो पारदर्शिता उत्तमता का आधार है।

— डी.पी. अन्ना

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

6. (a)

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय है?

(150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से आशय ईमानदारी के प्रति जवाबदेही रखना एवं स्वयं के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना, और सर्वोच्चानि आदर्शों एवं सत्ता के कल्याण के लिये कार्य करने से है।

शासन व्यवस्था में ईमानदारी के उद्देश्य एवं महत्व

- सर्वोच्चानि आदर्शों की प्राप्ति
 - नीति निर्देशक तत्वों की प्राप्ति
 - अधिकारों की प्राप्ति

→ लोकतांत्रिक समाज में सर्वोच्चानि सत्ता की प्राप्ति

→ सहायक शक्ति को बनाये रखने में

→ कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को लागू करने में

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- मानव विकास एवं आर्थिक संज्ञा के बिना आवश्यक
- आर्थिक संज्ञा एवं समानता व्यापित करने में
- आर्थिक संज्ञा के बिना
- (इमानदारी सुनिश्चित करने के उपाय)
- पुनर्जागरण का अर्थ है अर्थव्यवस्था में इमानदारी के बिना कोई पुनर्जागरण निर्माण किया जा सकता है।
- इमानदार सेवा की आवश्यकता तभी की जा सकती है
- परोक्ष एवं उच्च पद प्राप्त करने के माध्यम से
- निपट-कारण का निर्धारण किया जा सकता है।

शासन व्यवस्था समाप्त एवं देश के कल्याण से जुड़ी है अतः इसे हर दृष्टि में इमानदारी पूर्वक करने सेना चाहिए।

26

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- (b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10
- What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments. (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता - स्वयं की भावनाओं को समझना एवं प्रबंधन करना, इसी की भावनाओं को समझना एवं प्रबंधन करना ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।

लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व

- जनता से जुड़ने के बिना भावनात्मक बुद्धिमत्ता आवश्यक हो जाता है जैसे राजस्थान के IAS लोनी द्वारा 'पूरा पाठ्यक्रम अभियान' का संचालन
- महिला समाधि के बिना भावनात्मक बुद्धिमत्ता जैसे शमो अला मिश्र द्वारा 'my school, my farm' अभियान की शुरुआत
- सामाजिक समस्या एवं विमान के बिना समाज सुधार - MP (IAS)

27

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

हाल छल भेलख योजना का सेचालन
रिचा मया।

- जो वही ग्राहीन विकास के लिये आवश्यक
हो जाता है जैसे राज पादय निम्नित
केसर के PAS हाल 5 गाँवों को गेद लेसर
विकास करि।

आवनात्मक छुट्टीकरा का समाज के
निये नहत्य करि आवश्यक हो जाता
है ज्योंकि -

- ① पर लोगों की जनस्थिति को समझकर
उनके जरूरतों में मदद हो सकना
है जैसे किसी ग्राहीन समाज की
वेपजल आवश्यकता को समझना
- ② इंफोर्मेशन एवं ईगो के समय
उत्तरी माँगों के साथ-आवनात्मक
रूप से जुड़ना
- ③ महिलाओं की उत्पत्ति के लिये जिन
के प्रशासन को एक दृष्टिकोण
माना करि।

खंड - ख / SECTION - B

7.

आपको उस राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार जिले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजर रहे हैं।

(250 शब्द) 20

- उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये
- आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?
- इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

- Identify the stakeholders involved in the above situation
- What are the ethical dilemmas being faced by you?
- What step will you take in this situation?

⑨ उपरोक्त स्थिति में निम्नलिखित सिद्धांत हैं -

- स्वयं पुलिस अधीक्षक
- पुलिस प्रशासन
- कार्यरत मजदूर
- जनता आदि

• राजनीतिक व्यक्ति (विद्यार्थी)

⑥ यह पुलिस अधीक्षक होने के नाते
सर्व उपरोक्त परिस्थिति में निम्नलिखित
निरुद्ध हुए हैं -

- ① आत्म सुरक्षा बनाम कर्तव्य
- ② स्थानीय लेजगाट बनाम पर्यावरण
- ③ सार्वजनिक हित बनाम व्यक्तिगत हित
- ④ सत्पत्ति बनाम अवैध कार्य

① आत्म सुरक्षा के रूप में धनन आदिजा
डाटा डी.एस.पी. की हत्या की गई है
अतः इस मामले में पुलिस अधीक्षक के
रूप में आत्म सुरक्षा आवश्यक है,
तो वही कर्तव्य के रूप में मेरे
दापित्य - पुनर्निर्माण के विरुद्ध सकारात्मक
कार्य करने के हैं

② स्थानीय लेजगाट के रूप में आदिजा
के हितों को देखना आवश्यक है, जो
वही अगली पर्यटन का दूरगोचर पर्यावरण

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

लेकर वापस है

③ सार्वजनिक हित के रूप में पर्यावरणीय
लेखन से है जो वनों के नष्ट हो रहे
व्यक्तियों के अवैध धनन से आये हैं
समाज पर उत्तिकल प्रभाव पड़ने के इस में है

हाथ ही व्यक्तिगत हित के रूप में
धनन आदिजा एवं राजनीतिक व्यक्ति
निरुद्ध हैं

④ मेरी अधीक्षक के रूप में सत्पत्ति
सर्व कार्य के प्रति दायित्व है तो वही
अवैध कार्य पर नियंत्रण न करने, मेरे
अपने कर्तव्यों एवं जवाबदेही से
जी रहे, धनन करने हुए शामिल हैं।

⑤ अवैध धनन के विरुद्ध कार्य किया
जायेगा और पुलिस प्रशासन की मदद
से इस क्षेत्र विशेष पर नियंत्रण किया
जायेगा, हाथ ही इस मामले को
उच्च स्तर एवं जायालय के संतान
में लाया जायेगा।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

तो वहीं इसी ओर ध्यान माधिया
के विरुद्ध डी. एम. पी. की दृष्टा के
विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी और
ध्यान गतिविधि में शामिल व्यक्तियों के
व्यक्ति से रूप में विद्याधर के
प्रति सख्त दृष्टि रखे कार्यवाही को
आगे बढ़ा जाएगा।

तो इसी ओर वहाँ कार्यवाही
सज्जों के सिधे एक वैकल्पिक रूपों
का श्रवण उपलब्ध कराया जाएगा
जैसे मनोरंजक आदि।

अर्थात् अर्बुद ध्यान आयोजित
प्रकारों से अर्बुद से बचाया है
रहे थे एवं यह पत्रिका के संकट
का कारण बन रहे थे पत्रिका के रूप
समय प्रकाश रूप से देखा
या नकारात्मक या नकारात्मक या नकारात्मक
अर्बुद ध्यान जैसी गतिविधियों को
रोकने के लक्ष्य कार्यवाही की जानी

पाहिये ध्यान के सिधे ध्यान, गीता,
स्वाध्याय को माधिया बनाया
जा सकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

8. पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे जिले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

उपरोक्त स्थिति में पुलिस अधीक्षक होने के नाते विभिन्न दृष्टिकोण हो सकते हैं-

- कानून एवं व्यवस्था का पालन एवं इसे लागू करना

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- नीटिया का उपयोग किया जा सकता है
- विभिन्न समुदाय के नेताओं से
- राजनीतिक दलों के माध्यम से
- NCO एवं सिविल कोषागारी के माध्यम से

कार्यवाही का तरीका

→ पुलिस प्रशासन को तैनात किया जायेगा
एवं सामान्य रूप से भाषाजारी को
जमिंदार किया जा सकेगा, साथ ही
अपराध-144 का उपयोग किया जा सकता
है।

→ अल्पताओं की व्यवस्था को उद्देश्य
जहाँ व्यक्तियों के उपचार की व्यवस्था
को काये रखा जाये।

→ जहाँ दंगा का रंग अधिक है वहाँ
अहमतेम के रूप में सैन्य नेकाओं
की प्रांग और उनकी तैनाती की जा
सकती है।

→ नीटिया का उपयोग सामाजिक
लक्षणावैध एवं अपराधों को नियंत्रित के
लिये

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- राजनीतिक दलों एवं प्रतिनिधियों से पंचायत एवं संवाद बनाये रखने में आप ही इनको भागीदारी के विरुद्ध ईगा की लड़ाई कम करने के लिये सहभागी बनाया जा सकता है
- समुदाय के उत्प्रेरित व्यक्तियों के माध्यम से ईगों पर कार्य करने का आह्वान किया जा सकता है।
- उपलब्धियों के प्रत्यक्ष रंगीनी बनाकर 'अरेल' किया जा सकता है और इनके अनुभव को चारों ओर से ध्यान में रखा जाये कि अरेल करने से ईगा अटके नहीं।

इससे एवं व्यवस्था की स्थिति को बनाये रखने के लिये निम्न-लिखित रंगीनी एवं नीतियों का प्रयोग किया जा सकता है -

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- उपबन्धों को निर्पत्रित कर
- ईगारों को निर्पत्रित कर
- तत्काल प्रभाव में हथियारों के बाइसेस रद्द किये जायें
- हथियारों को जप्त किया जाये
- पुलिस प्रशासन के लिये नियंत्रण को निर्धारित किया जाये।
- आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाये।

निष्कर्ष: कहा जा सकता है कि ईगा जैसी स्थिति पर कार्य करने के लिये खल, संवाद, रंगीनी एवं सहभागिता के त्वा पर कार्य किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

9.

रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर जोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की।

(250 शब्द) 20

- (a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?
(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?
(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

- (a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?
(b) Evaluate all the options available to you?
(c) Which option would you opt for and why?

⑨ रमन के कर्तव्य कर्तव्य बोर्ड परीक्षा में रोहन के लिये किये गए प्रयास को सही

इसकी तरह EWS का इस्तेमाल
किया जाना उचित नहीं दुविधा थी
जिसे रोहन के द्वारा निपटारा पा

→ दोन अनाम सत्यनिष्ठा

→ संपादन अनाम दोन दिन
आगे

(b) उपनाम विकल्प के रूप में समन
के समान EWS का उद्देश्य पत्र
काया जा सकता है जो सत्यनिष्ठा
के विरुद्ध है और सज्जोर व्यक्ति का
हिंसा मारा जायेगा

द्वितीय विकल्प - समन के विरोध में
बोर्ड प्रतिविधि न की जाये क्योंकि
उत्तरे रोहन को बोर्ड परीक्षा
में लक्ष्यता की थी और
पर कार्य-निर्वाह के लिए के विरुद्ध
ही मारा है/40

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

तृतीय विकल्प - समन को इस बात के लिये
बनाया जाये कि यह कार्य गबन है
और समन के साथ धोखाधड़ी है जिसका
अधिकार में स्वाधिन्याया सुगतना प्रस्तुत है।

(c) तृतीय विकल्प के रूप में, मैं
इस विकल्प का चयन करेगा,
क्योंकि आत्मकालिक बान आने से
फिल जाये लेकिन समन के दुष्प्रभाव
अधिकार में देखने को फिल सकते
हैं और यह सत्यता पर आधारित
होगा है जो समन को सिद्धी
द्वय नकली को जर्जी कलर
दिखा जायेगा,

अतः समन के समक्ष इसके
परिणामों को सुधारित किया
जा सकता है और अधिकार

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

जो हमें वापसी करने से रोक
सकता है।

निष्कर्ष: अत्यन्त ही
आवश्यक है जो समाज
में अधिकतर को डबल नकली
है और समाज में नीतियों को
आगे रखने के लिये रूढ़िवादी
है अल्पसंख्यक को रूढ़ि
आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

10.

भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिजाइन में एक बड़ी खामी थी। खामियों के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या “त्रुटियों या विफलताएँ” सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं?

(250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances?

वस्तुतः इमामात्र के नैतिक
गुणों के रूप में

① रवि का शासन पुराण - इसका मत
होकेदार के रूप में एक 'इच्छा' का
प्राप्ति है जो रवि को शासित
मुक्ताने पहुंचा सकता है।

⑤ कंपनी की मान्यता - कंपनी की मान्यता प्रकाशित होगी और हो सकता है अविवेक में इसे काद न मिल सके और उसके बादित बुद्धिचारियों का अविवेक संकट में आ जाये ।

रावि डे आदर्श रूप में कार्य - अलग

स्वार्थजानिह दित वो ध्यान में रखकर
संरचना की कमजोरियों को
अपनी रिपोर्ट में शामिल किया
जा सकता है क्योंकि हो सकता
है कि ये सुरक्षा अविध्य में हो
और उनसे कोई बड़ी आपदा
का धरित हो जाये अपौर
किसी बड़ी आपदा ने संचना के
विद्ये रवि का आदर्श कार्य

पाठ्यरूप में अपेक्षा
का विकास किया जा सका और
अब इसे परियोजना के संक
में प्रभाव दिया जा सका है।

पुरियाँ एवं विमलताएँ - १

मानव प्रगति के विषय रसायनिक
रूप से परियोजना को अपनाया
जाना चाहिए।

एवं इसका पहले से वैधानिक
एवं अन्य योजना को लागू
करने से पहले इसका विभिन्न
संस्थानों के माध्यम से
जाना करना चाहिए।
ऐसे अवसर।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

के लिए पर प्रकृति का बिलिंग
हो से मानव के विषय हिताती
एवं आर्थिकी दोनों हो सकी
है।

मीलधर: परियोजना में ऐसी
विमलताओं से अपने के विषय
सामाजिक, सांस्कृतिक, जलवायु, आर्थिक
जैसे प्रश्नों को समाहित किया
जाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हारा में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हारा में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

11.

21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह जिले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेगा और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी की पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके जिले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लड़कियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

- (a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?
- (b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों को जाँच कीजिये।
- (c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed.

(250 Words) 20

- Who are the different stakeholders involved in this case?
- Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.
- Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

Q) लिखिए।

→ राधिका

→ श्रुति

→ अन्य व्यक्ति

50

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

→ राधिका ने अभिधापक

→ कोच

→ राजनीति चारि

अति

Q) कार्यवाही की डिमा

→ राधिका को उच्च धारा के बिना
मादनी फाइल में जा सकती है
अगर विमानल्लोअर की क्षमा के
कारन के बिना रूक को
उचरित किया जा सकता है।

तो साथ ही जापी
जिन्हाइये के माध्यम से नाइतिवु
उपास किए जा सकते हैं
वस्तुतः यदि आवाज सुने
के रूप में हो तो

51

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उत्तरा प्रकार अधिक देखने को
मिलता है।

बसुन्दा राधिका को इन
बापों के लिये भुक्ति से बात
कहती चाहिये और उनको
अपने अधिकारों के बारे में
बिचा जा सकता है

~~संभावित~~

संभावित निहितार्थ

- बावनी
- मीडिया के माध्यम से
आवाज उठाना
- खेल प्रतियोगिता को
बाध दिया जाना
- अन्य अधिकारियों से

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

बात कान

- (C) वस्तुतः पश्चिम अपनी विदेशीय
हथें जादुआत्मि स्थिति में काल
ऐसा कोई काम नहीं उठा सकती है
कि उनका कठिना व्यक्त हो जाये,
समय पर उनको आंदोलन
के रूप में जागी जा रही है
विदेश के साथ कोच
हथें अकादमी के उद्योग के
गति साक्षर हथें गमा हारिको
अपना चाहिये और कोई
गलत काम ना उठाकर बावनी
हथें का जहाज दिया जाना
चाहिये।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

12. एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये जिम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मियों को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं।

(250 शब्द) 20

- (a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।
(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।
(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice.

(250 Words) 20

- (a) Identify the stakeholders involved in the above case
(b) Discuss the ethical issues involved in this case.
(c) What steps would you take in the above situation?

(a) हिंसा

— छात्र

→ शिक्षक

→ भोजन तैयार करने वाला स्टाफ

→ खंड विकास अधिकारी

→ ग्रामीण, अभिभावक एवं समुदाय

→ बाह्य समूह की

(b) - बच्चों के स्वास्थ्य को
लेका साकार ही जवाबदेही
एवं निपट-मान्य, विभाग के
दिये गए

→ शिक्षकों की आयुर्विभा

→ खंड विकास अधिकारी के
रूप में कर्तव्य -

(c) दस्तावेज भोजन तैयार करने
का बाह्य समूह द्वारा पर
प्रदान किया गया था

अगर अपनी स्पोर्ट में बाह्य
बल है बिना कार्यवाही की
तो भी जाये और उनके
बिना कार्य किया जाना
चाहिये ।

→ बच्चों के स्वास्थ्य के
लिए आवश्यक कदम उठाने
चाहिये

→ सरकारी शिक्षण एवं प्रबंधकों
के बिना आवश्यक कदम
उठाये जा सकते हैं । जैसे

प्रधान मंत्री के कारे
पराबोहेरिग के लिये आगे
के लिये चेकपनी ही
जा सकती है ।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उत्साह

→ प्रबंधकीय शिक्षण को
बढ़ावा

→ प्रधान मंत्री के जिम्मेदार
रहाने की इसमें भागीदारी
के लिये शास्त्र

→ शिक्षणों की पराबोहेरिग
इतिहास की जाये

→ बाह्य बल पर नियंत्रण
किया जाये

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हिसाब में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

Space for Rough Work
(रफ़ कार्य के लिये स्थान)



Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)